# एक दशक जिसने चीन को बदल दिया

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक -पल्लवी अय्यर (संपादक)

25 दिसंबर, 2018

**"चालीस साल पहले, डेंग जियाओपिंग ने खुलेपन और सुधार की शुरुआत थी और अब एक चीन दूसरे चौराहे पर खड़ा है।"**

दिसंबर, 1978 चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की ग्यारहवीं केंद्रीय समिति का तीसरा पूर्ण सत्र अधूरा लग सकता है, लेकिन इसके वैश्विक नतीजे भूकंपीय थे। आर्थिक नीतियों की डेंग जियाओपिंग की श्रृंखला, जिसे सुधार और शुरुआत कहा जाता है, चीन को एक पिछड़ा कृषि देश से एक शक्तिशाली विनिर्माण देश बनाता है जो दुनिया की आर्थिक वास्तुकला को आकार देने का कार्य बखूबी निभा रहा है।

चीन सुधार और खुलेपन की 40वीं वर्षगांठ मना रहा है, यह दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी भंडार (अक्टूबर में 3.05 ट्रिलियन डॉलर) का मालिक है और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (2017 में 12.2 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ) का दावा करता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में इसका हिस्सा 1978 में 1.8% से 2017 में 18.2% हो गया है। ऐसा करने में, इसने दशकों की भविष्यवाणियों को गलत साबित किया है कि सत्तावादी राजनीति और आर्थिक उदारीकरण का इसका असहज मिश्रण अस्थिर था।

**विरोधाभासों का देश**

समकालीन चीन विरोधाभासों के साथ व्याप्त है। इसकी सत्ताधारी पार्टी बेहद असमान, पूंजीवाद से प्रेरित समाज के उद्भव की अध्यक्षता करते हुए एक साम्यवादी, समतावादी विचारधारा का समर्थन करती है। शहरी मध्यम वर्ग के हितों में किसानों और प्रवासी श्रमिकों के साथ टकराव होता है। इसके पास दुनिया के सबसे अधिक डिजिटल परिवेशों में से एक होने के बावजूद दुनिया भर में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं (772 मिलियन से अधिक) और वैश्विक ई-कॉमर्स लेनदेन के 40% से अधिक खातों की संख्या है।

सीपीसी ने समस्याओं के घेरे को खत्म करने में खुद को सिद्ध किया है और अपने आसन्न पतन के प्रलयकारी परिदृश्यों को भी समय के साथ गलत सबित किया है। इस उपलब्धि को हासिल करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण पायलट प्रोजेक्ट रहा है, जिसे डेंग जियाओपिंग मैक्सिम के रूप में काव्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया है अर्थात पत्थरों को महसूस करके नदी को पार करना। इस दृष्टिकोण को राष्ट्रीय स्तर पर अपनाने से पहले प्रयोग और स्थानीय नीति के रूप में चिन्हित किया गया था।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) को 1980 के दशक में चीन के तट पर बढ़ावा दिया गया, उदाहरण के लिए, उनकी सैद्धांतिक उपयोगिता के बारे में प्राथमिकताओं के आधार पर अस्तित्व में नहीं लाया गया। यह विचार वैसे प्रयोगशालाओं के लिए था जो एक नियंत्रित वातावरण प्रदान कर सकते थे और जिनके भीतर प्रयोग साहसपूर्वक किए जा सकते थे। अंततः एसईजेड आर्थिक विकास के लिए स्वचालित यंत्र बन गया, जो विदेशी निवेश के अभूतपूर्व प्रवाह को आकर्षित करता है जिससे शेन्जेन जैसे मछली पकड़ने वाले गांव वैश्विक विनिर्माण केंद्रों में तब्दील हो सका।

इस दृष्टिकोण का उपयोग वर्षों से बार-बार नई नीतियों का परीक्षण करने के लिए किया गया, सहकारी चिकित्सा देखभाल योजनाओं से लेकर ग्रामीण इलाकों में श्रमिकों की आवाजाही पर नियंत्रण को समाप्त करने तक। नतीजतन, सीपीसी ने 1950 के दशक से 1970 के दशक तक काम करने वाले व्यावहारिक समाधानों के लिए माओत्से तुंग के जन आंदोलनों की विशेषता के लिए अचानक, वैचारिक रूप से आधारित उथल-पुथल की अदला-बदली की।

क्या काम करेगा उसको कुछ मापदंडों द्वारा परिभाषित किया गया था, सबसे मौलिक रूप से सीपीसी की शक्ति के संरक्षण को। इसके लिए, बीजिंग ने न सिर्फ नियंत्रण और शुद्धीकरण सहित कई रणनीतियों को तैनात किया, बल्कि उसने शहरी मध्य वर्ग की तरह प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों का सह-विकल्प भी खोजा। इस समूह की समृद्धि को नीति-निर्माण के दायरे में पार्टी की निरंतरता के साथ जोड़कर, सीपीसी ने प्रभावी रूप से इस बात को बेअसर कर दिया कि इसकी सबसे घातक शत्रुता क्या हो सकती है।

गंभीर रूप से, सत्ता के संरक्षण के लिए सबसे अच्छा काम करने के लिए जो पाया गया वह आर्थिक विकास के लिए किये गये वादों को पूरा करना था। यह स्व-रुचि प्रदर्शन समय के साथ जारी रहा, मध्यम वर्ग भौतिक समृद्धि के अवसरों से परे अपने जीवन स्तर में सुधार की मांग करने लगे। पार्टी ने पर्यावरण संरक्षण को आगे बढ़ाते हुए सभी को जवाब दिया। हांलाकि, बीजिंग का वायु प्रदूषण भी एक गंभीर मामला है। गुंडागर्दी के लिए पोस्टर बॉय होने से लेकर, चीनी राजधानी दिल्ली जैसे शहरों द्वारा अनुकरण किए जाने वाले मॉडल में तब्दील हो गई है।

चीन ने एक समस्या को सुलझाने वाला दृष्टिकोण विकसित किया है जो अपने नेताओं को सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है, जो आमतौर पर निरंकुश सरकारों के बारे में माना जाता है। सुधारों को आर्थिक दायरे से परे रख कर शासन और प्रशासन में विस्तारित किया गया है। उदाहरण के रूप में अधिकारियों के लिए कार्यकाल सीमा और अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र की शुरूआत करना। स्थानीय नौकरशाहों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए जारी किए गए आंतरिक रिपोर्ट कार्ड का उपयोग सुशासन को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है, आर्थिक और तेजी से पर्यावरणीय लक्ष्यों की बैठक में पदोन्नति और बोनस को जोड़कर।

इस विचारधारा के बजाय परिणाम पर जोर देने की प्रक्रिया पर कार्य करना इसकी मूल भूमिका है, जो यह समझाने में मद्द करती है कि भारत जैसा देश विकास के अधिकांश मापदंडों पर चीन से पीछे क्यों है। लोकतंत्र की वैधता भारतीय सरकारों को प्रदर्शन करने की आवश्यकता से दूर करती है। सीपीसी के पास इस तरह का विकल्प उपलब्ध नहीं है। इसलिए भारत में गरीबों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व और चीन में राजनीतिक भागीदारी की कमी के बावजूद, बीजिंग नई दिल्ली से सड़क, नालियों और स्कूलों जैसे बुनियादी सार्वजनिक सामानों पर आगे है।

**शी जिनपिंग का युग**

सुधार और उसकी शुरुआत की विरासत यह बताने में महत्त्वपूर्ण है कि चीन आज कहां है? हालाँकि, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में नए युग में इसकी निरंतर प्रासंगिकता मिलियन युआन प्रश्न बन गई है। आगे के आर्थिक उदारीकरण के लिए बीजिंग की औपचारिक प्रतिबद्धता के

बावजूद, अमेरिका के साथ चल रहा व्यापार युद्ध पिछले चार दशकों में सबसे बुरा है। इसके अलावा, सीपीसी ने अभी भी अर्थव्यवस्था के राज्य नियंत्रण और मुक्त बाजारों के बीच विरोधाभास का समाधान नहीं किया है, जिसे चीन में चीनी विशेषताओं के साथ समाजवाद कहा जाता है।

डेंग से प्रेरित नीतियों के विराम के अन्य संकेत हैं – विशेष रूप से, राष्ट्रपति पद की सीमा के हालिया बदलाव के बाद श्री शी संभावित रूप से अनिश्चित काल के लिए कार्यालय में बने रह सकते हैं। जहाँ एक तरफ डेंग ने आर्थिक खुलेपन का प्रचार किया था और चीन को विदेशी विशेषज्ञों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था, तो वहीं दूसरी तरफ शी ने आत्मनिर्भरता पर जोर दिया और शत्रुतापूर्ण विदेशी ताकतों द्वारा उत्पन्न खतरों की चेतावनी दी।

शांतिपूर्ण आर्थिक एकीकरण पर ध्यान एक व्यापार युद्ध द्वारा दबाया जा रहा है ताकि कुछ भय एक नए शीत युद्ध में पतित हो सकते हैं। द इकोनॉमिस्ट के एक लेख में बताया गया है कि 2010 में कुछ 500 नीति-संबंधी पायलट परियोजनाएँ प्रांतीय स्तर पर थीं, यह संख्या 2016 तक लगभग 70 हो गई थी।

वर्तमान में सवाल यह है कि व्यापार और निवेश साझेदार की तुलना में बीजिंग, अमेरिका के साथ भावी चुनौतियों का सामना कैसे करेगा? जिसका जवाब अभी तक अस्पष्ट हैं। यहाँ स्पष्ट यह है कि सीपीसी को आगे बढ़ने के लिए कई कसौटियों को पार करना होगा, जो काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

## GS World टीम...

### चीन की सुधार और खुलेपन की नीति

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में चीन के सुधार व खुलेपन की नीति लागू होने की 40वीं वर्षगांठ मनाने का समारोह पेइचिंग में आयोजित हुआ।
- 18 से 22 दिसंबर, 1978 में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 11वीं समिति का तीसरा पूर्णाधिवेशन पेइचिंग में आयोजित हुआ था।
- इस महत्त्वपूर्ण सम्मेलन को चीन में सुधार और खुलेपन की नीति लागू करने की शुरुआत हुई थी। चालीस वर्षो में चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 70 करोड़ से अधिक चीनियों को गरीबी से छुटकारा दिलाया है।
- इसके साथ चीनी विकास के अनुभव को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की प्रशंसा मिली है। वैश्विक समस्याओं के समाधान में चीनी सूझ बूझ अपनी भूमिका निभा रहा है।
- पूर्व फ्रांसीसी प्रधानमंत्री डोमिनीक दे विलेपिन के विचार में चीनी सुधार और खुलेपन की सफलता व्यावहारिकता और सहयोग से अलग नहीं हो सकती।
- उन्होंने बताया कि चीनी सफलता में दो अनुभव हैं। पहला, व्यावहारिक और कदम दर कदम दीर्घकालिक योजना से परिवर्तन आ सकेगा। दूसरा, खुलेपन और सहयोग निर्माण और विकास की कुंजी है।

**भारत और चीन के बीच सुरक्षा सहयोग समझौता**

- हाल ही में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर प्रथम उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान दोनों देशों ने सुरक्षा सहयोग समझौते पर भी हस्ताक्षर किये।

**प्रमुख बिंदु**

- इस उच्चस्तरीय बैठक में चीन का प्रतिनिधित्त्व वहाँ के स्टेट काउंसिलर एवं सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री श्री झाओ केझी तथा भारत का प्रतिनिधित्त्व केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।
- द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर प्रथम उच्चस्तरीय बैठक के दौरान पारस्परिक हित के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।
- इन मुद्दों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिये द्विपक्षीय सहयोग करना भी शामिल है।

**सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर**

- भारत के गृह मंत्रालय और चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के बीच सुरक्षा सहयोग पर एक समझौता हुआ। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग पर यह पहला समझौता है।

**लाभ**

- इस समझौते से आतंकवाद एवं संगठित अपराधों की समस्या से निपटने से संबंधित चर्चाओं एवं आपसी सहयोग में और ज्यादा वृद्धि होगी।
- इसी तरह इस समझौते से दवा नियंत्रण और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में भी आपसी चर्चाओं के साथ-साथ सहयोग बढ़ेगा।

**भारत-चीन संयुक्त आर्थिक समूह** (JEG)

- भारत-चीन (JEG) मंत्रिस्तरीय वार्ता है जिसे 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की चीन यात्रा के दौरान स्थापित किया गया था।
- ऐसी पिछली बैठक (10वीं JEG) सितंबर, 2014 में बीजिंग में आयोजित की गई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने और इसमें विविधता लाने के लिये सहमति दी थी।
- 2012 में 9वीं JEG के दौरान दोनों पक्षों ने आर्थिक और व्यापार योजना सहयोग, व्यापार सांख्यिकीय विश्लेषण और सेवा व्यापार संवर्द्धन पर तीन वर्किंग ग्रुप स्थापित किये थे।

**भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार परिदृश्य**

- विदेश मामलों की स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 में भारत और चीन के बीच 80 बिलियन डॉलर से अधिक का द्विपक्षीय व्यापार होने की संभावना है।
- हालाँकि, भारत की चिंताओं में चीन द्वारा आरोपित गैर-टैरिफ बाधाएँ, माल की डंपिंग और चीन द्वारा निवेश की कमी शामिल है।
- समिति की सिफारिशों के अनुसार, सरकार को चाहिये कि वह चीनी कंपनियों को भारत में अधिक निवेश के लिये आकर्षित करे।
- इसके अलावा, चीन के साथ उच्चतम स्तर की व्यापार बाधाओं को कम करने के लिये प्रयास किया जाना चाहिये जिसमें मंत्री स्तर का सामूहिक आर्थिक समूह शामिल हो।

## संभावित प्रश्न ( प्रारंभिक परीक्षा )

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

   1. हाल ही में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर प्रथम उच्चस्तरीय बैठक आयोजित किया गया।

   2. वर्तमान में चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विदेशी भंडार का मालिक है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

## संभावित प्रश्न ( मुख्य परीक्षा )

**प्रश्न: 'हाल के वर्षों में चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तथा निवेश का एक पावरहाउस बन गया है, किन्तु उस स्थान को प्राप्त करने के लिए चीन विचारधारा के बजाए परिणाम पर जोर दे रहा है।' चर्चा कीजिए।**

**( 250 शब्द )**

**नोट : 24** दिसम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a) होगा।

GS World
Committed To Excellence